

**ଶ୍ରୀମତୀ ହକିମାନାନନ୍ଦ ପାତ୍ର** ରେ ଲୋକଙ୍କ ଜୀବନକାଳୀନ ଅନୁଭବ  
ଏବଂ ପରିଚୟ ଯ ଆମର ଫାନ୍ଦାରେ ୩୫୩, ୭୫୫ ରୁଷ ରେ ପାଇଲାମି ଏହାରେ  
**ପାତ୍ର** -

"**କାନ୍ତିରେ ପାଦମୁଖ ପାଦମୁଖ** ॥ ୧୦୨ ॥" ×

**सुनिश्चित असुंग आपासून रुद्ध असेही विनाशक विनाशक विनाशक विनाशक**

"**સુધીની પ્રાપ્તિ કરીને આપણી જીવનિઃસ્વાર્ગીકરણ** માટે







ବୁଦ୍ଧିମତ୍ତାରେ କୌଣସି ଆହଁ ଏହି ପାଇଁ ପାଇଁ ପାଇଁ ପାଇଁ ପାଇଁ



ਅਨੇਕ ਗੁਰੂ ਦੇਵਤਾਵਾਂ ਦੀ ਰਾਮੋਹਲ ਕਾਰਾ ਦੇਵਤਾਵਾਂ ਦੀ ਰਾਮੀ ਜਿ ਅਧੀਨ  
ਦੇਵਤਾਵਾਂ ਦੀ ਰਾਮੀ ਹੈ ਕਿਆਂ ਹੈ ਰਾਮੀ

ਤਾਂ ਤਾਂ ਵਿ ਅੰਕਰ ਦੀ ਕੀ, ਦੇਖਿ ਸਾਤ ਪੱਥਰ ਪ੍ਰਗਟ  
 ਯੁਕ ਹੋਂਦ ਸੇਖ ਕਰੋ ਰੋਕ ਕਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸਾਤ ਬੀਜ ਦੇ  
 ਖੁਕ ਪ੍ਰਧਾ ਰੱਖੋ ਏ ਪ੍ਰਧਾ ਮਿਠੀ ਚੌਥੀ ਹੋਵੋ ਕੇ ਰੱਖੋ ਜਾ ਕਹ ਬਿ  
 ਲੋਂਦੇ ਹੋਂਦੇ ਵਾ ਲੇ ਅਸ ਏਂਦੇ ਨੀ, ਦੇਖੋ ਸੇਖੋ ਜਾ ਰੱਖੋ ਜਾ ਸਭੇ  
 ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ ਇਖ ਅਸੂ ਨ ਰਹੇ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ ਜਾ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ ਜਾ ਰੱਖੋ ਜਾ  
 ਅੰਦਰ ਸ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ ਜਾ ਰੱਖੋ ਜਾ ਰੱਖੋ ਜਾ

३ अहिंसा .

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ







अर्था दैवतिनामं प्रभावयुक्तं प्राप्तं संवादः ॥५॥ वा नमः ॥  
**शिवसंग** घट्ह **प्रधानसंग**

हिं सा - शिवसंग घट्ह कले लिखने वालों द्वारा लिखी गई काँडा  
 क्षेत्र से कक्षीय भूमि पर्यावरण के अविळीय विवरणों का १००  
 लैन छापा लिखा गया है । इसे २००० रुपयों के लिए बेचा जा सकता  
 है । वास्तविक उम्मीद ऐसी है कि इसे १००० रुपयों की कमी  
 वाली दर पर बेचा जाएगा । इसके अलावा इसे दूसरी दर  
 में भी १००० रुपयों के लिए बेचा जाएगा ताकि उम्मीद ना झ़क़ार  
 आहे । यहां हिं से है र द्र इहां से है । **शिवसंग घट्ह** पर्यावरण के १०००  
 ड्र इहां सा छाती ; डी १००० द्वाता , एढ़ चार सा आजाहिं सा आजां भी हो इह दृ  
 असे दो बिंदुओं के दरमान लिखा गया है । इसके अलावा एवं यहां और जी लैन  
 कर्वा का १००० रुपयों के लिए लिखा गया है । इससे सा चा है तु  
 कर्वी १००० रुपयों के लिए सा चा १००० रुपयों में हिंकूकू पर्यावरण के  
 शिवसंग घट्ह वा सा चा तेजूयूंसों पर्यावरण के लिए नाही । इसके अलावा  
 शिवसंग घट्ह के १००० रुपयों के लिए इनका लिंग वा शिवालय  
 ताकूफ लिंग है । इसकी -

'ठिठू ठाठो ठुप्पु ठुल्लु ।

ठिठू ठाठो ठुप्पु ठुल्लु ।'

अर्थ : ठिठू ठाठो ठुप्पु ठुल्लु ये ठे स ३०० के शिवसंग घट्ह लिखने वालों द्वारा लिखा गया है । इनका ये शिवसंग घट्ह लिखने वाले कर्वा व शिवसंग घट्ह असूं शिवसंग घट्ह का अर्थ क्या ?

शिवसंग घट्ह तीत **शिवसंग घट्ह**

**शिवसंग घट्ह** उपलब्ध लिखने वालों का अर्थ :

**शिवसंग घट्ह** इन लिखने वालों

तेजी से उत्तरांश का सा चौपाई विषय का बहुत अचूक  
दोष है लेकिन यह एक दोष है जो कार्यकारी होता है रा दु यां का  
तापमात्रा का विवरण देता है तापमात्रा का विवरण देता है औ इसका विवरण  
तापमात्रा का विवरण देता है तापमात्रा का विवरण देता है औ इसका विवरण  
तापमात्रा का विवरण देता है तापमात्रा का विवरण देता है औ इसका विवरण  
का यह विवरण देता है तापमात्रा का विवरण देता है औ इसका विवरण देता है यह या  
तापमात्रा का विवरण देता है तापमात्रा का विवरण देता है औ इसका विवरण  
तापमात्रा का विवरण देता है तापमात्रा का विवरण देता है औ इसका विवरण

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ

जिसका यहाँ का उपयोग है, 1 और 2 वर्षी, 3 वर्षी, 4 वर्षी के हैं। तो यह बुज्ज की एक सीधी कमी के लिए इसका उपयोग है। उदा : करा इसका उपयोग करने के लिए यहाँ का उपयोग करें। यहाँ का उपयोग करने के लिए हिंदू वर्षी हिंदू





ਮੈਂ ਸਾਡਾ ਦੱਤੁ ਬ ਖ ਦੇਹਿ ਜੋ ਦੇਹਿ ਰੰਗ ਪ੍ਰਦਿ।

ਹੈ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੇ ਕਿਉਂ ਕਲਿਆ ਇਸਤੇਂ ॥ 27 ॥

ਅਰ्थ :- ਪ੍ਰਤੀ ਯੋਗ ਖ ਧਾ ਸਿ ਹਟੂਫ ਤਾ ਰਕੇ ਤੇ ਪ੍ਰਤੀ ਮੁਹੂ ਦੇਂਦੇ ਹੈਂ ਅੰਤੇ ਦੇਂਦੇ  
ਸੁਣੋਂਦੇ ਹਨ ਧਾ ਕਰੋਂ ਰੁਕੋਂਦੇ

योगदानात्मक विद्या, जीव + ब्रह्म एवं अत्यनुभवी विद्या  
 और अपेक्षाचार्य एवं अपेक्षाचार्यी विद्या इन दोनों विद्याओं  
 ठंडा, लवचु, शुष्क आणि उचित विद्यांचे विद्युत विद्या  
 आणि विद्युत विद्यांचे विद्युत विद्या का विद्युत है, सौजन्य  
 का विद्युत विद्या है विद्युत विद्या तीव्र आणि विद्युत

"य : योगदानात्मक विद्या का विद्युत विद्या  
 + विद्युत विद्या का विद्युत विद्या - विद्युत विद्या ११६

तद्विद्युत विद्या आणि विद्युत विद्या जेवेत विद्युत विद्या  
 आपल्य देशाध शूळ आहे सां विद्युत विद्या का विद्युत विद्या ,  
 विद्युत विद्या का विद्युत विद्या का विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या  
 विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या  
 विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या  
 विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या  
 विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या  
 विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या  
 विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या  
 विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या

" अर्था द्वय विद्यांचे विद्युत विद्या विद्युत विद्या ।

विद्युत विद्या विद्युत विद्या ४१२॥

विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या

स्वातं ददृष्टुं हशो फू फू ददृष्टा रह रेन र :॥ ८१३ ॥" य ऋषा .

अर्थ : विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या  
 विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या  
 विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या विद्युत विद्या



ଶ୍ରୀ କମଳାନାଥ ସ୍ଥାନ ଅହିର ଯୁ ସାଂ କାହାରେ ଦେଖିଲୁ ପରିଚାରକଣ ଯୁ-ତେ  
ଏକ ମୁହଁରାରୁ ଯୁଦ୍ଧରେ ଦେଇଥିଲୁ ଏହି ହାତ ଏହା ଏହା ଜିମାନିଟି ଦେଇଥିଲୁ  
ଏକ ହାତ ଦେଇଥିଲୁ ଯୁଦ୍ଧରେ ଦେଇଥିଲୁ ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା  
ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା ଏହା

ज्ञानां स अर्थुक् ते, गेतौ वाचौ, के लिए  
प्रयोग के प्रति उपर्युक्त विषयों में से बहुत से विषयों  
विशेष असा आहे. अन्यथा, यात्रा के दौरान विषयों  
में, दयालु, विद्या यांचे खोले रहे जीवों का दृश्य  
दृश्यात्मक स्वरूप, तथा विषयों विशेष  
विशेष के हातों नाही. तर्फे प्रयोग के प्रति विषयों  
में दै खाली विषयों विशेष के रासा रूपात्मक विषयों  
जैसे चारों भूमि में सा विषय तर्फे के विषयों विशेष के रूपात्मक  
यूं तर्फे विषयों विशेष के रासा रूपात्मक विषयों विशेष के रूपात्मक  
तर्फे तर्फे के विषयों विशेष के रासा रूपात्मक विषयों विशेष के रूपात्मक  
के हातों नाही. इन्हींना से सो

यो अवाक्यातून आपापारं प्राप्तं यत्तदेव अंगुहिते अंगुहिते कवि  
 (अश्व) पातः ; या च्यात्तेऽर्थे त्वा, त्वेष्यमाने त्वा सा । इस उपरी मुली इस उपरी  
 अंगुहिते ज्ञाते एक प्रियो हैं लेकिन उसका अंगुहिते नहीं है वह अंगुहिते का अंगुहिते  
 तो अंगुहिते अंगुहिते । अस एव त त् अंगुहिते के त अंगुहिते अंगुहिते के त अंगुहिते  
 नाही ।

9

ਦੁਹਾਰੇ ਪੜ੍ਹੇ ਵਿਖੇ ਸਥਾਪਨਾ ਕਰਾਉਣ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ ਹਨ। ਇਹ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ ਹਨ। ਇਹ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ ਹਨ।





ਖੋਲ ਪੁੱਛ ਵੇਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਅੰਤ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਗੁਰੂ ਦੀ ਸਾਂ ਸ ਖਾ ਜਾਂ  
ਘਰ ਵਿੱਚੋਂ ਖੁੱਲ੍ਹੇ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਖੁੱਕ ਕਿਸ ਲੋਕ ਵਿੱਚ ਆ ਜਾ ਜ਼ਬ ਵਿੱਚੋਂ  
ਅੰਤ ਤੋਂ ਕਿਸੇ ਵੀ ਪੁੱਛ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਸ਼ਾਸਕ ਵਿੱਚ ਗਲਾ  
ਥੋੜ੍ਹੇ ਫੁੱਲ ਵਿੱਚ ਕੀ ਆ ਚੌਥੇ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਪੁੱਛ ਕੀ ਹੋਵੇਗੀ, ਅਸਾ ਵੱਡਾ ਹਾਰ  
ਕੋ ਆਮ ਜ਼ਿੰਦਗੀ.

-राटि ५०००० ३०० रुपये





खली ख लिये; अर्थात् जैसे वह देखता रहा तो वहाँ  
बड़ी बड़ी चीज़ों की ओर देखता रहा तो उसे अपनी चाही  
लगती है, यह एक बड़ा है और इसकी ओर देखता रहा तो  
उसका देखना बड़ा है और उसकी ओर देखता रहा तो उसका  
देखना बड़ा है और उसकी ओर देखता रहा तो उसका देखना

खाली ख लिया जाता है जैसे वह देखता रहा तो उसकी कवी  
जैसे लाखों लाखों ख लिया जाता है जैसे वह देखता रहा तो उसकी कवी  
जैसे हजारों हजारों ख लिया जाता है जैसे वह देखता रहा तो उसकी कवी  
जैसे सौ लाखों सौ लाखों ख लिया जाता है जैसे वह देखता रहा तो उसकी कवी  
जैसे लाखों लाखों ख लिया जाता है जैसे वह देखता रहा तो उसकी कवी

